RNI No#MPBIL/2013/49052

INVESTMENT AVENUES®

इन्वेस्टमेंट ऐवेन्यूस

भोपाल, शनिवार, 18-30 नवंबर 2023 | भोपाल, मध्यप्रदेश से प्रकाशित | वर्ष-12 | अंक- 07 | पृष्ठ-8 | मूल्य- रु. 5/-

चीन को लगा झटका, 7 फीसदी की दर से बढ़ेगा भारत

नईदिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल ने कहा कि भारत की जीडीपी वृद्धि दर 2026 तक बढ़कर सात प्रतिशत हो जाएगी, जबकि चीन की दर 4.6 प्रतिशत रहेगी। एशिया-प्रशांत का विकास इंजन चीन से दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में स्थानांतरित हो जाएगा। वियतनाम की विकास दर 6.8 फीसदी, फिलीपीन की 6.4 फीसदी और इंडोनेशिया की पांच फीसदी रह सकती है। वित्त वर्ष 2024 में चीन की जीडीपी 4.6 फीसदी, 2023 में 5.4 फीसदी और 2025 में 4.8 फीसदी रहेगी।

भारत से अक्तूबर में दुनिया के 18 प्रमुख देशों में इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात में वृद्धि देखी गई है। इन देशों में अमेरिका, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश हैं। हालांकि, यूरोपीय संघ, चीन और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के निर्यात में कमी आई है। इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईईपीसी) के मुताबिक, अक्तूबर में कुल 809 करोड़ डॉलर के निर्यात हुए जो एक साल पहले की तुलना में 7.2 फीसदी ज्यादा है। ईईपीसी इंडिया के चेयरमैन अरुण कुमार गरोडिया ने कहा, यूरोपीय संघ और उत्तरी अमेरिका के देशों की ओर से भारतीय निर्यातकों पर लगाए जा रहे अवरोधों के कारण स्थिति और खराब हो गई है। विकसित देशों में मंदी के रुझान से बाहरी मांग में कमी आने से निर्यात प्रभावित हुआ है। मंदी में मुख्य रूप से योगदान देने वाले कारकों में बढ़ती वैश्विक महंगाई और यूरोप व अमेरिका में उच्च ब्याज दरें हैं। यह देश भारत के इंजीनियरिंग क्षेत्र के लिए प्रमुख बाजार भी हैं।

भारतीय विदेशी मुद्रा भंडार में 595 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बढ़ोत्तरी

भोपाल। भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार 17 नवंबर 2023 तक देश का विदेशी मुद्रा भंडार 0.077 बिलियन डॉलर बढ़कर 595.397 बिलियन डॉलर हो गया। पिछले हफ्ते की रिपोर्टिंग के अनुसार यह 62 मिलियन डॉलर गिरकर 590.321 बिलियन डॉलर हो गया। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी साप्ताहिक सांख्यिकीय अनुपूरक के अनुसार, 17 नवंबर को समाप्त सप्ताह के लिए, विदेशी मुद्रा संपत्ति, भंडार का 4.387 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 526.391 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। आपको बता दें कि अक्टूबर 2021 में, देश की विदेशी मुद्रा किटी 645 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। पिछले साल से वैश्विक विकास के कारण दबाव के बीच केंद्रीय बैंक ने रुपये की रक्षा के लिए पूंजी भंडार को तैनात कर दिया। इस ने भंडार को प्रभावित किया है। विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों पर भी असर हुआ है। आरबीआई ने कहा कि सप्ताह के दौरान सोने का भंडार 527 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 46.042 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।कहा गया है कि विशेष आहरण अधिकार 120 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 18.131 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गए। आरबीआई के आंकड़ों से पता चलता है कि आईएमएफ के साथ भारत की आरक्षित स्थिति 42 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 4.833 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई।

आरबीआई के आंकड़ों से पता चलता है कि आईएमएफ के साथ भारत की आरक्षित स्थिति 42 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 4.833 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई।

शेयर मार्केट में बच्चे भी कर सकते हैं निवेश, जानिए कैसे ?

सीधे शेयर बाजार से बच्चों को निवेश की अनुमति नहीं

भोपाल। बिना डीमैट अकाउंट के किसी शेयर, म्यूचुअल फंड ईटीएफ और बॉन्ड में निवेश नहीं किया जा सकता है। अगर कोई पैरेंट अपने बच्चे के नाम पर शेयरों में निवेश करना चाहता है तो उसके लिए नाबालिग डीमैट अकाउंट की आवश्यकता होगी। नाबालिग बच्चों के लिए भी डीमैट अकाउंट ऑनलाइन और ऑफलाइन ओपन किया जा सकता है। आइए जानते हैं नाबालिग के लिए डीमैट अकाउंट खोलने के लिए किन-किन चीजों की जरूरत होगी।

डीमैट अकाउंट खोलने के लिए उम्र

डीमैट अकाउंट खोलने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं होती है। किसी भी उम्र में डीमैट अकाउंट खोलकर निवेश किया जा सकता है। माता-पिता के साथ नाबालिग का डीमैट अकाउंट खोला जा सकता है। माता-पिता बच्चे के नाम पर कभी भी डीमैट अकाउंट को खुद के साथ जोड़कर ओपन कर सकते हैं, जो एक ज्वाइंट अकाउंट नहीं होगा।

किन दस्तावेजों की आवश्यकता

बच्चे के नाम पर डीमैट आकउंट ओपन करने के आपको कुछ दस्तावेजों की आवश्यकता होगी। इसमें पैरेंट का पैन

कार्ड, एड्रेस के लिए आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य डॉक्यूमेंट दे सकते हैं। इसके अलावा बर्थ सर्टिफिकेट, जिसपर पैरेंट का नाम भी मेंशन हो, सेबी केवाईसी और नाबालिग का बैंक अकाउंट भी आवश्यक होगा।

नाबालिग डीमैट आकउंट के लिए जरूरी बातें

नाबालिग का डीमैट अकाउंट खोलने के लिए माता पिता के हस्ताक्षर की आवश्यकता होगी। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। इसके लिए पैरेंट के आधार कार्ड की आवश्यकता होगी। डीमैटे अकाउंट में नाबालिग के फोटो के साथ ही माता-पिता केफोटो भी अपलोड करने होंगे। केवाईसी, पीएमएलटी और एफएटीसीए पैरेंट और नाबालिग दोनों के लिए कराना अनिवार्य है।

सीधे मार्केट से नहीं खरीद सकते शेयर

शेयर, म्युचल फंड और ईटीएफ में निवेश करने के लिए और बेचने के लिए डीमैट-ट्रेडिंग अकाउंट की आवश्यकता होती है। हालांकि नाबालिंग डीमैट अकाउंट से शेयर बाजार में कोई भी शेयर नहीं खरीदी जा सकती है। 1872 के भारतीय अनुबंध अधिनियम में कहा गया है कि कोई भी नाबालिग फाइनेंशियल डील नहीं कर सकता है। डीमैट अकाउंट का कंट्रोल पैरेंट के पास होगा।

नाबालिंग के डीमैट खाते से शेयर कैसे खरीदें और बेचें

किसी नाबालिग डीमैट अकाउंट के तहत सीधे शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश नहीं कर सकते हैं। गिफ्ट के तौर पर मिले शेयरों को नाबालिग डीमैट अकाउंट में रखा जा सकता है और इन शेयरों को नाबालिग के ट्रेडिंग सह डीमैट खाते के तहत बेचा जा सकता है।

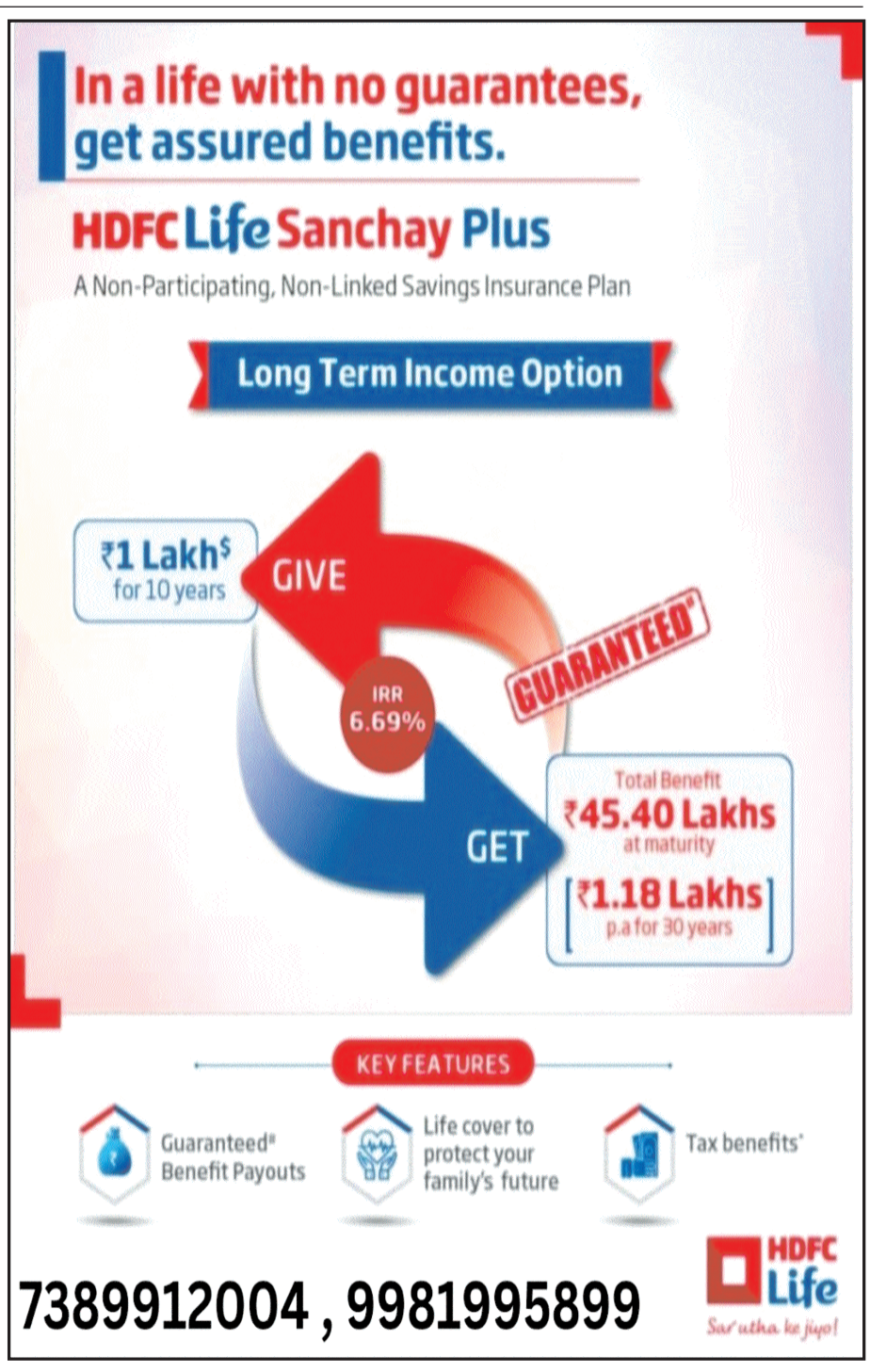

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर, दूसरी तिमाही में GDP ग्रोथ 7% रहने का अनुमान

भोपाल। रेटिंग एजेंसी ICRA का कहना है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने का अनुमान है, जो भारतीय रिजर्व बैंक के रेट सेटिंग पैनल के अनुमान को पार कर जाएगा। ICRA की चीफ अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, 'दूसरी तिमाही (Qw)में GDP ग्रोथ रेट Monetary Policy Committee (MPC) के अनुमान से अधिक होने की आशा है।

नायर ने कहा, 'असमान वर्षा, वर्ष भर पहले और अब की कमोडिटी की कीमतों के कम अंतर, संसदीय चुनावों के करीब आने पर सरकारी कैपेक्स की गति में संभावित मंदी, कमजोर बाहरी मांग और मॉनेटरी सख्ती के प्रभाव से GDP ग्रोथ में तब्दील होने की आशंका है।'

ICRA ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि के बाद दूसरी तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि घटकर 7 होने का अनुमान है। इस अडजेस्टमेंट को सामान्य आधार और अप्रत्याशित मॉनसून पैटर्न के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 'नतीजतन, हम अपने वित्त वर्ष 2024 के GDP विकास अनुमान को 6.0 प्रतिशत पर बनाए रखते हैं, जो कि वित्तीय वर्ष के लिए MPC के 6.5 प्रतिशत के अनुमान से कमहै।'

निवेश गतिविधि में मजबूती

रिपोर्ट में बताया गया है कि दूसरी तिमाही के दौरान, देश में निवेश गतिविधि में मजबूती बनी रही, निवेश से संबंधित ग्यारह में से सात इंडिकेटर्स पहली तिमाही की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष बेहतर वृद्धि दिखा रहे हैं। ICRA ने अपने नोट में कहा, 'जबकि शेष चार इंडिकेटर्स में वार्षिक वृद्धि त्ता के सापेक्ष Qw FY2024 में कमजोर हो गई, उन सभी में तिमाही में दोहरे अंकों में विस्तार देखा गया, जिसमें CV पंजीकरण (+13.5 प्रतिशत), सीमेंट उत्पादन (+10.2प्रतिशत)शामिल हैं।

विदेशी निवेश संभव

DBS बैंक इंडिया के ट्रेजरी अधिकारी ने कहा कि अगर भारतीय सरकारी बॉन्ड प्रमुख ब्लूमबर्ग बॉन्ड इंडेक्सेज में शामिल हो जाते हैं, तो उनमें करीब 25 अरब डॉलर का विदेशी इनफ्लो देखा जा सकता है। DBS बैंक इंडिया में ट्रेजरी और मार्केट के कार्यकारी निदेशक समीर करियाट के अनुसार, यदि भारत को ब्लूमबर्ग इंडेक्स में शामिल किया जाता है, तो 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड में लगभग 7 बेसिस पॉइंट की गिरावट हो सकती है और 25 बिलियन डॉलर का निवेश आकर्षित हो सकता है। करियाट ने कहा, अगर ब्लूमबर्ग इंडेक्स में भारत को शामिल करने में देरी होती है, तो बॉन्ड यील्ड बढ़ने की संभावना नहीं है, क्योंकि बाजार को इसकी उम्मीद नहीं थी।

बॉन्ड इन्वेस्टर्स इस महीने के अंत तक इसकी घोषणा की उम्मीद कर रहे हैं। सितंबर में जेपी मॉर्गन ने घोषणा की कि भारत को जून 2024 से शुरू होने वाले प्रमुख उभरते बाजार डेट इंडेक्स में जोड़ा जाएगा। अगले वर्ष निवेशकों द्वारा भारतीय बांडों में 20 बिलियन डॉलर से 25 बिलियन डॉलर का निवेश करने की उम्मीद है। भारत के बेंचमार्क 10-वर्षीय बांड पर यील्ड गिरकर 7.25 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीने के उच्चतम 7.40 प्रतिशत से कम है।

बैंक ऑफ बड़ौदा समेत तीन बैंकों पर करोड़ों का जुर्माना

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने Bank Of Baroda समेत तीन बैंकों पर 10 करोड़ रुपये से ज्यादा का जुर्माना लगया है। इसके आलावा, आरबीआई ने पांच सहकारी बैंकों पर भी कार्रवाई की है। साथ ही एक बैंक के बोर्ड को भी भंग कर दिया है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने तीन बैंकों पर 10 करोड़ रुपये से ज्यादा का जुर्माना लगया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने तीन बैंकों पर 10 करोड़ रुपये से ज्यादा का जुर्माना लगया है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने कई बैंकों पर बड़ी कार्रवाई की है। बैंक ने सरकारी बैंक समेत तीन बैंकों पर भारी जुर्माना लगया है। साथ ही एक सहकारी बैंक (Cooperative Bank) के बोर्ड को भंग करके, उसकी कमान अपने हाथों में ले ली है। इसके अलावा, पांच को-ऑपरेटिव बैंक पर भी जुर्माना (Penalty on Cooperative Bank) लगया है।

RBI ने शुक्रवार को बताया कि कुल 10 ।34 करोड़ रुपये का जुर्माना तीन बैंकों पर लगया है, जिसमें सिटीबैंक (Citibank), बैंक ऑफ बड़ौदा (Bank Of Baroda) और इंडियन ओवरसीज बैंक (Indian Overseas Bank) शामिल हैं। सबसे ज्यादा जुर्माना सिटी बैंक पर 5 करोड़ रुपये का लगया गया है। यह जुर्माना जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता निधि योजना से संबंधित मानदंडों और वित्तीय सेवाओं की आउटसोर्सिंग पर आचार संहिता का पालन नहीं करने के लिए लगा है। इसी तरह RBI के नियमों की अनदेखी करने पर बैंक ऑफ बड़ौदा पर 4.34 करोड़ रुपये का जुर्माना गया था।

ग्राहकों पर नहीं होगा कोई असर

भारतीय रिजर्व बैंक ने चेन्नई बेस्ड पब्लिक सेक्टर के इंडियन ओवरसीज बैंक (Indian Overseas Bank) पर लोन और अग्रिम से संबंधित निर्देशों के उल्लंघन के लिए 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगया गया है। तीनों मामले में भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा कि जुर्माना नियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है और इसका लक्ष्य बैंकों की ओर से अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता को प्रभावित करना नहीं है।

पांच को-ऑपरेटिव बैंक पर भी कार्रवाई

भारतीय रिजर्व बैंक ने इन तीन बैंकों के साथ ही पांच को-ऑपरेटिव बैंकों (Cooperative Bank) पर भी जुर्माना लगया था। इसमें श्री महिला सेवा सहकारी बैंक, पोरबंदर विभागीय नागरिक सहकारी बैंक, सर्वोदय नागरिक सहकारी बैंक, खंबात नागरिक सहकारी बैंक और वेजलपुर नागरिक सहकारी बैंक शामिल हैं और इनपर जुर्माना 25 हजार रुपये से 2.5 लाख रुपये तक का है।

बैंक का बोर्ड किया भंग

केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को अभ्युदय सहकारी बैंक (Abhyudaya Cooperative Bank) के बोर्ड को अगले एक साल के लिए सुपरसीड करने की घोषणा की है। बैंक के बिजनेस पर किसी तरह की कोई पाबंदी नहीं लगाई गई है। रिजर्व बैंक ने अपने बयान में कहा कि अभ्युदय कोऑपरेटिव बैंक के गवर्नेंस के खराब स्टैंडर्ड के चलते उसे एक्शन लेने पर मजबूर होना पड़ा है। वहीं SBI के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक सत्यप्रकाश पाठक को अभ्युदय कोऑपरेटिव बैंक का एडमिनिस्ट्रेटर नियुक्त किया है। इसके अलावा कमिटी ऑफ एडवाइजर्स भी नियुक्त किया है।

क्रेडिट कार्ड बकाया नहीं चुका पाए तो ब्याज कर देगा बर्बाद, जानिए कितना इंटरेस्ट लेते हैं बैंक

भोपाल। भारत में क्रेडिट कार्ड का चलन काफी तेजी से बढ़ा है। जब आप अपने डेबिट कार्ड से पेमेंट करते हैं, तो पैसा सीधे आपके अकाउंट से कट जाता है। लेकिन क्रेडिट कार्ड में ऐसा नहीं है। इससे आप जो खरीदारी करते हैं, उसका बिल आपको कुछ समय बाद आता है। इस तरह क्रेडिट कार्ड ग्राहक को लिक्विडिटी की सुविधा प्रदान करता है। आमतौर पर क्रेडिट कार्ड का बिल चुकाने के लिए 20 से 50 दिन का समय मिलता है। लेकिन आपने तय समय पर क्रेडिट कार्ड का पैसा नहीं चुकाया तो उस पर पेनल्टी लगती है।

भारी ब्याज लेती हैं कंपनियां

ग्राहक तय समयसीमा तक क्रेडिट कार्ड के बिल का भुगतान नहीं करता है, तो कंपनी ब्याज वसूलती है। यह ब्याज दर 50 प्रतिशत तक या इससे अधिक भी हो सकती है। आइए जानते हैं कि विभिन्न बैंक क्रेडिट कार्ड की बकाया रकम पर कितनी ब्याज दर वसूलते हैं।

बैंक का सबसे कम है ब्याज

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के क्रेडिट कार्ड की ब्याज दरें सबसे कम और इंडसइंड बैंक की सबसे अधिक है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के क्रेडिट कार्ड्स पर न्यूजनतम ब्याज दर 9 प्रतिशत और अधिकतम 47.88 प्रतिशत है। एक्सिस बैंक में यह रेट न्यूनतम 19.56 प्रतिशत और अधिकतम 52.86 प्रतिशत है।

एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड्स पर ब्याज दर न्यूनतम 23.88 और अधिकतम 43.20 प्रतिशत है।

सबसे अधिक है ब्याज दर

- स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के क्रेडिट कार्ड्स पर न्यूनतम ब्याज दर 23.88 प्रतिशत और अधिकतम 45 प्रतिशत है।
- आईसीआईसीआई बैंक के लिए यह रेट 29.88 प्रतिशत और अधिकतम 44 प्रतिशत है। कोटक महिंद्रा बैंक के लिए यह रेट न्यूनतम 29.88 प्रतिशत और अधिकतम 44.40 प्रतिशत है।
- आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के क्रेडिट कार्ड की ब्याज दरें सबसे कम और इंडसइंड बैंक की सबसे अधिक है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के क्रेडिट कार्ड्स पर न्यूजनतम ब्याज दर 9 प्रतिशत और अधिकतम 47.88 प्रतिशत है। एक्सिस बैंक में यह रेट न्यूनतम 19.56 प्रतिशत और अधिकतम 52.86 प्रतिशत है।

सबसे अधिक है ब्याज दर

स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के क्रेडिट कार्ड्स पर न्यूनतम ब्याज दर 23.88 प्रतिशत और अधिकतम 45 प्रतिशत है।

आईसीआईसीआई बैंक के लिए यह रेट 29.88 प्रतिशत और अधिकतम 44 प्रतिशत है। कोटक महिंद्रा बैंक के लिए यह रेट न्यूनतम 29.88 प्रतिशत और अधिकतम 44.40 प्रतिशत है।

एसबीआई कार्ड्स के लिए ब्याज दर न्यूनतम 33 प्रतिशत

अधिकतम 42 प्रतिशत है। आरबीएल बैंक के लिए ब्याज दर न्यूनतम 40.80 प्रतिशत और अधिकतम 47.88 प्रतिशत है। अमेरिकन एक्सप्रेस बैंक के लिए यह दर न्यूनतम 42 प्रतिशत है। वहीं, इंडसइंड बैंक के लिए न्यूनतम रेट 46 प्रतिशत और अधिकतम रेट 47.40 प्रतिशत है।

Are you spending your additional **income on shopping?**

You may spend the entire amount of your additional income like bonus on shopping, but

Here is why you should invest a **portion** of it in Equity –

Vishal got a **bonus of ₹3,00,000 in 2002**

Should I buy a **car** with this amount?

Or should I invest some amount in **equity?**

If Vishal would have chosen **option 2** and made a **lump sum investment of ₹1,00,000 in an index fund***, it would have become **₹17,58,463**** **today.**

Mutual fund investments are subject to market risks

*Calculations based on SBI Nifty Index Fund. CAGR returns @14.25%. Past performance may or may not be sustained in the future.
**Value as on August 8, 2023

Connect to know more

Vision Invest Tech Private Limited | (+91)7389912025

10613 | visionadvisorymkt@gmail.com

POWERED BY wealthy

HDFC Life

Presenting - NFO (New Fund Offer)

HDFC Life Flexi Cap Fund

(Benchmark- NSE NIFTY 500)

Opportunity to grab Rs 10 NAV

Invest With Flexibility In Today's Leaders And Tomorrow's Growing Champions

Large Cap (Top 100 Companies) + Mid Cap (Top 100 To 250 Companies) + Small Cap (Top 250 to 500 Companies) = HDFC Life Flexi Cap Fund (Top 500 Companies)

WHY INVEST IN NFO - SEE OUR HISTORY IN NFO

NFO- Fund Name	Launch Date	Current NAV	% Return From Inception
Growth Fund	02-Jan-2004	337	14.57 %
Opportunity Fund	05-Jan-2010	56.51	19.50 %
Blue Chip Fund	05-Jan-2010	39.96	13.10 %
Diversified Fund	01-Jul-2014	32.12	14.06 %
Discovery Fund	03-Sept-2018	27.46	22.25 %

Investment Flexibility — Across Large cap, mid cap & small cap companies

Security — Life cover to secure your loved ones' Future

Fund Manager Expertise — Growth- focused team to guide you

- Tax Benefit u/s 80c
- Tax Free Maturity u/s 10(10D)
- Minimum investment Period 5 yr.
- Partial Withdrwal
- No Switching Charge
- Single, Regular & Limited Pay

: This Fund Is Available With :

HDFC Life Smart Protect Plan (Entry Age-18)
(Minimum investment Per year - 60k)

HDFC Life Sampoorn Nivesh Plan (Entry Age-0)
(Minimum investment Per year - 30k)

HURRY - NFO CLOSES ON 20th OCT 2023

Note : This Is For Internal Training Purpose Only

Contact us...
7389912003

बच्चे की हायर एजुकेशन के लिए पैसा जोड़ना है तो जन्म के साथ यहां करें निवेश

बच्चे के जन्म के साथ ही उसके भविष्य की चिंता सताने लगती है। बच्चों की हायर एजुकेशन के लिए अच्छा खासा अमाउंट लगता है। लेकिन अगर आप बच्चे के जन्म के साथ ही निवेश करना शुरू कर दें, तो 15 सालों में बड़ा अमाउंट जोड़ सकते हैं और अपने बच्चे को बेहतर एजुकेशन दे सकते हैं। यहां जानिए निवेश के दो ऐसे ऑप्शंस जहां आप अगर हर महीने 5000 रुपए के हिसाब से भी निवेश करेंगे तो आपको कंपाउंडिंग ब्याज का फायदा मिलेगा और देखते ही देखते कुछ सालों में लाखों रुपए जमा हो जाएंगे।

इंस्टा पर्सनल लोन पाएं

पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ ऐसी स्कीम है जिसमें कोई भारतीय आसानी से निवेश कर सकता है। पीपीएफ में कम से कम 500 रुपए और अधिकतम 1.5 लाख रुपए साालाना निवेश किया जा सकता है। ये एक ऐसी स्कीम है, जिसमें आपको सरकारी गारंटी मिलती है यानी जो भी रकम आप इन्वेस्ट कर रहे हैं, उस पर गारंटीड रिटर्न मिलेगा। मौजूदा समय में पीपीएफ पर 7.1 प्रतिशत का ब्याज मिल रहा है। ऐसे में अगर आप 5,000 रुपए महीने के हिसाब से भी इसमें इन्वेस्ट करेंगे तो साल के 60,000 रुपए निवेश होंगे। पीपीएफ 15 साल की स्कीम है। ऐसे में 15 सालों में कुल 9 लाख का निवेश होगा। 7.1 फीसदी के हिसाब से आपको पीपीएफ पर 7,27,284 रुपए सिर्फ ब्याज के तौर पर मिलेंगे। इस तरह मैच्योरिटी पर आपको निवेश किए गए 9 लाख और ब्याज की रकम को मिलाकर कुद 16,27,284 रुपए मिलेंगे। इस रकम को आप अपने बच्चे के भविष्य के लिए उपयोग कर सकते हैं।

अगर आप इस मामले में थोड़ा रिस्क ले सकते हैं, तो SIP के जरिए म्यूचुअल फंड्स में निवेश कर सकते हैं। मार्केट लिंक्ड होने की वजह से इसमें रिटर्न की गारंटी नहीं होती, लेकिन एक्सपर्ट्स का मानना है कि लंबे समय में एसआईपी के जरिए औसतन 12 फीसदी का रिटर्न प्राप्त किया जा सकता है। अगर आप SIP का विकल्प चुनते हैं तो भी आपको हर महीने 5,000 रुपए का ही निवेश करना है। लेकिन अगर औसतन 12 फीसदी के हिसाब से कैलकुलेशन करें तो 15 सालों में 9 लाख का निवेश होगा और इस पर ब्याज 16,22,880 रुपए मिलेगा और 15 साल बाद आपके निवेश की गई रकम और ब्याज को मिलाकर कुल 25,22,880 रुपए मिलेंगे, जो कि आपके बच्चे के भविष्य के लिए काफी काम आ सकते हैं।

लिंक्ड एफडी कैसे हो सकता है फायदेमंद ?

नई दिल्ली। एफडी में निवेश करना कई लोगों को पसंद आता है। यहां आप अपनी मेहनत की कमाई को सेव कर सकते हैं। एफडी पर आपको सेविंग अकाउंट की तुलना में ज्यादा ब्याज मिलता है।

लिंक्ड एफडी क्या है लिंक्ड एफडी आपके सेविंग अकाउंट को एफडी से लिंक करता है। इस स्वीप एफडी के नाम से भी जाना जाता है। इसमें ग्राहक को ऑटो स्वीप-इन-स्वीप-आउट की सुविधा मिलती है। यहां आप अपने सेविंग अकाउंट से एक फिक्सड राशि को एफडी अकाउंट में जमाकर सकते हैं। एफडी पर मिलने वाले इंटरेस्ट रेट भी ऑटो स्वीप के दिन से शुरू हो जाता है।

लिंक्ड एफडी कैसे काम करता है: लिंक्ड एफडी में आपको अपने सेविंग अकाउंट की एक निश्चित राशि को एफडी में ट्रांसफर करने का अवसर मिलता है। उदाहरण के तौर पर अगर आपने एफडी ओपन की है तो आप लिंक्ड एफडी का लाभ उठा सकते हैं। इसमें आपको एक लिमिट तय करनी है। जैसे ही आपके सेविंग अकाउंट में उस सीमा से ज्यादा राशि आती है वैसे ही बाकी राशि ऑटोमैटिक आपके सेविंग अकाउंट में ट्रांसफर हो जाती है। उदाहरण के तौर पर आपने सेविंग अकाउंट की लिमिट 10,000 रखी है औरव आपके अकाउंट में 22,000 रुपये आते हैं तो सेविंग अकाउंट में केवल 10,000 रुपये रहेंगे और बाकी 12,000 रुपये की राशि एफडी में ट्रांसफर हो जाएंगे। ऐसे मेंचेक करना चाहिए कि कितना शुल्क का भुगतान करना होगा। शर्तों को जरूर चेक करना चाहिए।

संपादकीय

■अवनीश तिवारी| सहायक संपादक

कोई अपनी हेल्थ पॉलिसी को पोर्ट कर रहा है, मुझे भी ऐसा करना चाहिये!

जब भी आप किसी उत्पाद या सेवा में निवेश करते हैं, तब सुनिश्चित करते हैं कि वह लंबी अवधि में अधिकतम लाभ प्रदान करने वाली हो। लंबी अवधि के लिये लाभ को अधिकतम बनाने में शामिल हो तात्कालिक लाभ से आगे की सोचना; मतलब ऐसा मूल्य चुना, जो टिका रहे और भविष्य में भी लाभ देता रहे। यह दृष्टिकोण न सिर्फ हमारे आम वित्तीय निवेशों पर, बल्कि स्वास्थ्य बीमा पर भी लागू होता है।

आज जब इलाज का खर्च बढ़ता जा रहा है, स्वास्थ्य बीमा में निवेश करना एक आवश्यकता है। इसके अलावा, कोविड-19 के प्रकोप ने स्वास्थ्य बीमा के महत्व पर जागरूकता पैदा की है और पर्याप्त सुरक्षा, बेहतर खूबियों तथा सेवाओं की जरूरत समझाई है। इस समझ के चलते कई लोग अपनी पॉलिसी को पोर्ट भी कर रहे हैं। हालांकि पॉलिसी की खूबियों में कमी, मूल्य और बीमाकर्ता की सेवाएं अक्सर पॉलिसीधारक को मुश्किल हालात में डाल देते हैं। ऐसे में हेल्थ इंश्योरेंस पोर्टेबिलिटी बचाव का काम करती है। इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (आईआरडीएआई) ने 2011 में ऐसे लोगों के लिये हेल्थ इंश्योरेंस पोर्टेबिलिटी पेश की थी, जो अपने बीमाकर्ता द्वारा प्रदत्त सेवा या सुरक्षा से संतुष्ट नहीं थे। हेल्थ इंश्योरेंस पोर्टेबिलिटी के साथ आप पॉलिसी के मौजूदा लाभों से वंचित हुए बिना आसानी से पॉलिसी को एक बीमाकर्ता से दूसरे को शिफ्ट कर सकते हैं। बाजार में उपलब्ध स्वास्थ्य बीमा के कई विकल्पों को देखते हुए, सर्वश्रेष्ठ पॉलिसी को चुनना एक कठिन काम हो सकता है।

आपको नये बीमाकर्ता के साथ तभी पोर्ट करना चाहिये, जब नई पॉलिसी आकर्षक लाभ दे और स्वास्थ्य की उन आवश्यकताओं को पूरा कर सके, जिन्हें मौजूद पॉलिसी पूरा नहीं कर सकती है। नई पॉलिसी की बीमित राशि में मौजूद पॉलिसी का बोनस जोड़ देने से नई पॉलिसी का महत्व बढ़ सकता है। हेल्थ इंश्योरेंस को पोर्ट करने के कई फायदे और नुकसान होते हैं। सकारात्मक तरीके से, हेल्थ इंश्योरेंस को पोर्ट करने का एक बड़ा फायदा है प्रतिस्पर्द्धी दामों पर ज्यादा सुरक्षा जोड़कर और बेहतर खूबियाँ लेकर अपने प्लान को अपग्रेड करने की योग्यता। यह विकल्प कस्टमाइजेशन की अनुमति देता है और सुनिश्चित करता है कि आपका हेल्थ इंश्योरेंस प्लान आपकी ही आवश्यकताओं के अनुरूप हो। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पोर्टेबिलिटी के विकल्प आमतौर पर नवीनीकरण की तारीख आने के साथ उपलब्ध होते हैं और आपके पास बदलाव के लिये सीमित समय होता है। इसके अलावा, अतिरिक्त लाभ वाला एक नया प्लान चुनते समय यह देखना महत्वपूर्ण है कि यह लाभ प्रीमियम को बढ़ा सकते हैं।

अमेरिकी चिप निर्माता ने 4 सौ डॉलर का बेंगलुरु में स्थापित किया वैश्विक डिजाइन केंद्र

अमेरिकी चिप निर्माता एएमडी ने भारत में अपने अनुसंधान, विकास और इंजीनियरिंग संचालन का विस्तार करते हुए बेंगलुरु में सबसे बड़े वैश्विक डिजाइन केंद्र का उद्घाटन किया। कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि अत्याधुनिक परिसर में लगभग 3000 एएमडी इंजीनियरों की मेजबानी की जाएगी।

इस केंद्र पर 3डी स्टैकिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग सहित समीकंडक्टर प्रौद्योगिकी के डिजाइन और विकास किया जाएगा। एएमडी के अनुसार, इसका 'टेक्नोस्टार'

परिसर अगले पांच वर्षों में भारत में कंपनी के 400 मिलियन अमरीकी डालर के निवेश के हिस्से के रूप में स्थापित किया गया है, जिसकी घोषणा उसने जुलाई में सेमीकॉन इंडिया 2023 में की थी।

केंद्रीय दूरसंचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सुविधा का उद्घाटन किया। विज्ञप्ति में उनके हवाले से कहा गया है, भारत का सेमीकंडक्टर कार्यक्रम सेमीकंडक्टर के डिजाइन और प्रतिभा से जुड़ी पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करने पर जोर देता है। उन्होंने कहा, एएमडी की ओर से बेंगलुरु में अपना सबसे बड़ा डिजाइन सेंटर स्थापित करना वैश्विक कंपनियों के भारत में भरोसे का प्रमाण है।

WEEKLY STOCK PIVOT LEVEL

Anil Bhardwaj
Technical Head
anilstockcare@gmail.com

All level indicated above are based on future prices PP: Pivot Point: This is Trigger Point for buy/sell Based on the price range of the previous Month R1: Resistance one: 1st Resistance over PP. R2: resistance Two: 2nd Resistance over R1.S1: Support one: 1st support after PP. S2: Support Two: 2nd support after S1. 1)

- As per tool, trader should take Buy position just above pp and keep the stop loss of PP and teh first target would be R1.2)
- If R1 is crossed then R2 becomes the next target with the stop loss at R1. 3)
- If R2 is crossed then R3 becomes the next target with the stop loss at R2.
- Similarly if price goes below PP the trader should SELL and keep the PP as stop loss and the first target would be S1.
- If S1 is crossed then S2 becomes the next target with the stop loss at S1.
- If S2 is crossed then S3 becomes the next target with the stop loss at S2.

Stock name	R3	R2	R1	PP	S1	S2	S3
NIFTY	20179	19857	19464	19151	18747	18435	18031
BANK NIFTY	45449	44637	43737	42925		41213	40313
ACC	2062	2020	1951	1909	1840	1798	1729
ALKYAMINES	2378	2312	2251	2185	2124	2058	1997
AXISBANK	1074	1039	1019	985	965	931	911
BHARTIARTL	994	971	945	922	895	873	846
CIPLA	1290	1250	1212	1172	1134	1094	1056
DLF	598	577	557	535	515	493	472
ESCORTS	3527	3465	3351	3289	3175	3113	2999
GSPL	305	296	285	277	266	258	248
GRINFRAPOJECT	1318	1259	1191	1132	1064	1005	937
HDFCBANK	1583	1556	1514	1487	1445	1418	1376
HCLTECH	1336	1303	1286	1253	1236	1203	1186
HINDALCO	495	484	470	459	445	434	420
HINDUNILVR	2558	2534	2506	2482	2454	2430	2402
IRCT	742	717	687	662	633	607	577
ICICIBANK	985	965	939	919	893	873	847
IEX	142	137	131	126	120	115	109
INFY	1501	1466	1424	1389	1347	1312	1269
ITC	453	446	440	434	427	421	414
KOTAKBNK	1820	1790	1747	1718	1675	1646	1603
LT	3142	3074	2991	2924	2842	2774	2691
LUPIN	1234	1211	1171	1148	1108	1085	1046
MARUTI	11237	11039	10787	10589	10337	10139	9887
M&M	1632	1604	1558	1530	1484	1456	1410
MGL	1098	1072	1032	1005	966	939	900
NCC	175	165	156	147	137	128	118
RELIANCE	2392	2349	2307	2264	2222	2179	2137
RECLTD	322	206	290	274	258	242	226
SBIN	593	579	570	556	547	533	524
SBICARD	837	817	807	787	777	757	747
SUNPHARMA	1190	1168	1142	1120	1094	1072	1046
TITAN	3416	3345	3232	3161	3048	2977	2864
TCS	3591	3534	3444	3387	3297	3240	3150
TATASTEEL	126	124	122	120	118	116	114
TATAMOTORS	705	686	663	644	621	602	579
UPL	644	626	592	574	540	522	488
WIPRO	410	401	392	383	374	365	356

Investing is not a sporting event. It is a tool when used properly can help all investors achieve financial goals

It is a tool, which, when used properly, can help all investors achieve their financial goals. When an investment does well, it benefits every stakeholder, not just a select few. Likewise, broad market growth, over the long term, lifts all boats. Your investing success does not require someone else's failure.

Many years ago, when Australian commentator and former international cricketer, Adam Gilchrist, was the captain of an IPL team, a TV presenter asked him a hackneyed question before the beginning of a match: "So how many runs do you think will be enough on this pitch?" Gilchrist, who was never one to suffer fools gladly, replied, "I guess one more than the other lot, mate." As every Indian cricket fan is painfully aware at the moment, the idea of victory or loss is integral to sports. Regardless of feel-good statements about 'victory for cricket', no one has any illusions about who won and who lost.

Notwithstanding metaphors, investing is not like sports. As an investor, for you to win, no one else must lose. If you meet your financial goals, you win, along with everyone else who has met them. Everyone can win. There's an old, forgotten saying in advertising: 'When a customer comes in to buy a quarter-inch drill, what he needs is a quarterinch hole.' We sometimes get lost in the technicalities of mutual funds, but investors are always looking to get money to do the things they want in life. Buying a house, good education for children, living through a comfortable retirement, and leaving a valuable inheritance for family are real goals, not some 'win' in a competition.

Strangely, many investors create artificial criteria for victory, and consider it a problem if they don't meet them. The most common criterion, which afflicts both equity and mutual fund investors, is that the investment they choose should deliver the highest return among peers. No matter how well their investment performs, they feel they have suffered a defeat if some other fund or stock does a little better. The urge to compare one's returns with the top performers is understandable, but counterproductive. In truth, nothing consistently ranks at the very top year after year.

Chasing the latest hot investment is a recipe for buying high and selling low. The investment is doing its job as long as your portfolio delivers solid longterm returns in line with your financial plan. The key is tuning out the noise and unrealistic expectations. Instead, focus on your goals and let your portfolio work steadily towards these over time. In investing, there are no medals for coming in first. The only race that matters is your own.

The idea that investing is a zero-sum game, where someone must lose for you to win, is a harmful myth. This is not a sporting event. Rather, it is a tool, which, when used properly, can help all investors achieve their financial goals. When an investment does well, it benefits every stakeholder, not just a select few. Likewise, broad market growth over the long term lifts all boats. Your investing success does not require someone else's failure.

Another problem is when someone decides they missed out on a win because of an error or oversight. In these situations, the right thing to do would be to acknowledge the problem, if there is any, and re-plan, if necessary. However, investors do not mentally accept this situation. They plan more aggressive and risky strategies to win back the money they feel is theirs. This is also a recipe for disaster.

Stay focused on your real investing goals—securing your and your family's future. Tune out the market noise and speculation about who is 'winning' and 'losing'. You can steadily build wealth over decades with patience and a well-diversified portfolio. Approach investing with a collaborative mindset, not an adversarial one. Your ultimate competition is yourself. Are you effectively using the market to achieve long-term objectives? If so, you are winning, regardless of what others around you may be doing.

curtsey: https://economictimes.indiatimes.com/

टीसीएस को 21 करोड़ डॉलर चुकाने अमेरिका की एक जूरी का निर्देश

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस (TCS) को अमेरिका में झटका लगा है। अमेरिका की एक जूरी ने कंपनी को 21 करोड़ डॉलर यानी करीब 17,50,01,08,500 रुपये का भुगतान करने को कहा है।

टाटा ग्रुप की कंपनी पर आरोप है कि उसने अपना सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म TCS Bancs को डेवलप करने के लिए अमेरिका की आईटी सर्विसेज कंपनी डीएक्ससी (DXC) के सोर्स कोड का दुरुपयोग किया था।

DXC को पहले सीएससी (CSC) के नाम से जाना जाता था। जूरी ने कहा कि टीसीएस ने सीएससी के प्रोप्राइटरी प्लेटफॉर्म में सेंध लगाकर ट्रेड सीक्रेट को एक्सेस किया था।

टीसीएस को अमेरिका में यह दूसरा झटका है। इससे पहले अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने भी कंपनी को 14 करोड़ डॉलर का भुगतान करने को कहा था।

इस मामले में कंपनी पर आरोप था कि उसने ऑथराइजेशन के बिना एपिक सिस्टम्स के वेब पोर्टल को एक्सेस किया था। इस बारे में कमेंट के लिए जब टीओआई ने टीसीएस से संपर्क किया तो कंपनी ने कहा कि वह जूरी के फैसले से सहमत नहीं है। इस मामले का फैसला अब कोर्ट में होगा जिनसे सभी पक्षों से और जानकारी मांगी है। कंपनी इस मामले में अपनी कानूनी लड़ाई जारी रखेगी।

हाथ से फिसली डील

VantageOne and DXC Wealth Management Accelerator इंश्योरेंस फंक्शस को मैनेज करती हैं। इसका एक और प्लेटफॉर्म Cyberlife अपने क्लाएंट मनी सर्विसेज के लिए लाइफ और एन्युटी प्रॉडक्ट्स को लिए रियल टाइम सिस्टम सपोर्ट देता है।

मनी सर्विसेज अमेरिका की इंश्योरेंस कंपनी ट्रांसअमेरिका की सहयोगी कंपनी है। साल 2018 में टीसीएस को ट्रांसअमेरिका से 2.5 अरब डॉलर की डील मिली थी। लेकिन इस साल जून में ट्रांसअमेरिका ने टीसीएस के साथ दो अरब डॉलर की डील खत्म कर दी। कंपनी ने मैक्रोइकॉनमिक परिस्थितियों का हवाला देते हुए ऐसा किया।

प्रकाशक एवं मुद्रक : प्रदीप करम्बेलकर, सी-101, नेहरू नगर द्वारा स्वात्वाधिकार विजन एडवायजरी सर्विसेस प्रा.लि. प्लॉट नं.-36, ई-सेकण्ड फ्लोर, जोन-2, एम.पी. नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित एवं महक ग्राफिक्स एण्ड ऑफसेट, प्लॉट नं.-4, वैभव काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक प्रदीप करम्बेलकर (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) फोन : 91-0755-2555186, 2555217 वेबसाइट : 222.investmentavenues.in ईमेल : contactinvestmentavenues@gmail.com